

प्रेषक,

श्रीधर बाबू अददांकी,  
अपर सचिव, वित्त,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

1-मुख्य नगर अधिकारी  
नगर निगम, देहरादून।  
2-मुख्य नगर अधिकारी/ अधिशासी अधिकारी,  
नगर निगम-हरिद्वार, हल्द्वानी, रुद्रपुर, रुड़की, काशीपुर,  
उत्तराखण्ड।

वित्त अनुभाग-1

देहरादून:: दिनांक: ७ अक्टूबर, 2015

विषय:- तृतीय राज्य वित्त आयोग की संस्तुतियों पर राज्य सरकार द्वारा लिये गये निर्णय के अनुसार समस्त नगर निगमों को वित्तीय वर्ष 2015-16 की तृतीय त्रैमासिक किश्त का तदर्थ आधार पर अंतरण।

महोदय,

उपर्युक्त विषय पर मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि तृतीय राज्य वित्त आयोग, उत्तराखण्ड की संस्तुतियों के आधार पर राज्य सरकार द्वारा लिये गये निर्णयानुसार 06 नगर निगमों को संलग्न विवरणानुसार वित्तीय वर्ष 2015-16 की तृतीय त्रैमासिक किश्त हेतु तदर्थ आधार पर देय धनराशि में से कॉलम-5 में इंगित धनराशि की कटौती पेंशन निधि हेतु करते हुये कॉलम-6 में निकाय के सम्मुख इंगित कुल धनराशि **₹248488000.00 (₹ चौबीस करोड़ चौरासी लाख अठ्ठासी हजार मात्र)** अंतरित किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उपर्युक्त धनराशि निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अंतरित की जा रही है:-

1. शहरी स्थानीय निकायों को वित्तीय वर्ष 2015-16 की तृतीय त्रैमासिक किश्त तदर्थ आधार पर संक्रमित की जा रही है।
2. अंतरित की जा रही धनराशि को कोषागार से आहरित करने के लिये बिल सम्बन्धित जिलाधिकारी द्वारा प्रति हस्ताक्षरित किया जायेगा। संक्रमित की जा रही धनराशि का उपयोग शासनादेश सं0-388/XXVII/(1)/2012, दिनांक 23 जुलाई, 2012 द्वारा निर्गत मार्गदर्शक सिद्धान्तों के अन्तर्गत किया जायेगा। इस धनराशि से किसी प्रकार का व्यावर्तन/समायोजन अनुमन्य नहीं होगा।
3. जनसंख्या एवं क्षेत्रफल के आंकड़ों की प्रमाणिकता की पुष्टि होने पर तृतीय राज्य वित्त आयोग द्वारा निर्धारित फार्मूले के आधार पर निकायों के अंश की पुनः गणना की जायेगी।
4. तृतीय राज्य वित्त आयोग के प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के उपरान्त जिन निकायों का उच्चीकरण हुआ है, उनके सम्बन्ध में आयोग द्वारा पूर्व निर्धारित अंश के आधार पर ही धनराशि संक्रमित की जायेगी।
5. तृतीय राज्य वित्त आयोग के प्रतिवेदन, प्रस्तर-8.20 पर सम्पत्ति कर के सम्बन्ध में समस्त निकायों की संकलित सूचना प्राप्त होने के उपरान्त ही निकायों को बढ़ी हुई धनराशि अवमुक्त की जायेगी।
6. नगर विकास विभाग अंतरित धनराशि के नियमानुसार उपयोग की समीक्षा करेंगे तथा इसके समुचित उपयोग के लिये उत्तरदायी होंगे। कोषागार से आहरित धनराशि की बाउचर संख्या तथा दिनांक की सूचना महालेखाकार एवं शासन के वित्त विभाग को भेजेंगे।



7. निदेशक, शहरी स्थानीय निकाय, निकायों को आवंटित धनराशि के समय से उपयोग हेतु उत्तरदायी होंगे।

8. शासनादेश में वित्त विभाग द्वारा निर्धारित विशिष्ट शर्तों का अनुपालन विभागीय अधिकारी/वित्त नियंत्रक/मुख्य/वरिष्ठ/लेखाधिकारी अथवा सहायक लेखाधिकारी जैसी भी स्थिति हो, सुनिश्चित करेंगे। यदि निर्धारित शर्तों में किसी प्रकार का विचलन हो तो वित्त नियंत्रक इत्यादि का दायित्व होगा कि उनके द्वारा मामले की सूचना पूर्ण विवरण सहित तुरन्त वित्त विभाग को दी जायेगी।

9. सम्बन्धित निकाय की अलोटमेन्ट आईडी संलग्न है।

3- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 के आय-व्ययक की अनुदान संख्या-07 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-3604-स्थानीय निकायों तथा पंचायती राज संस्थाओं को क्षतिपूर्ति तथा समनुदेशन-आयोजनेतर-01-नगरीय स्थानीय निकाय-191-नगर निगम-03 राज्य वित्त आयोग द्वारा संस्तुत करें से समनुदेशन-00-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के नामे डाला जायेगा।

संलग्नक:-यथोपरि।

भवदीय,

(श्रीधर बाबू अददांकी)  
अपर सचिव, वित्त।

संख्या-1212 (1)/XXVII(1)/2015, तददिनांक।

प्रतिलिपि: निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- आयुक्त, गढ़वाल मण्डल/ कुमायूँ मण्डल।
- 3- प्रमुख सचिव, शहरी विकास, उत्तराखण्ड शासन।
- 4- जिलाधिकारी, जनपद- देहरादून/हरिद्वार/ नैनीताल/ ऊधमसिंह नगर
- 5- निदेशक, वित्त आयोग निदेशालय, उत्तराखण्ड शासन।
- 6- निदेशक, शहरी विकास विभाग, 43/6, माता मन्दिर मार्ग, धर्मपुर, देहरादून।
- 7- निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 8- सम्बन्धित मुख्य/वरिष्ठ/ कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 9- एन0आई0सी0सचिवालय परिसर, उत्तराखण्ड, देहरादून।

आज्ञा से,

(श्रीधर बाबू अददांकी)  
अपर सचिव, वित्त।



शासनादेश संख्या: 1212 /XXVII(1)/ 2015

:: देहरादून:: दिनांक: ७ अक्टूबर, 2015

तृतीय राज्य वित्त आयोग की संस्तुतियों के कम में नगर निगमों को तदर्थ आधार पर वित्तीय वर्ष 2015-16 की तृतीय त्रैमासिक किश्त हेतु अंतरण

क्र० सं०	जनपद	शहरी स्थानीय निकाय का नाम	तदर्थ आधार पर तृतीय त्रैमास हेतु देय अंतरण	पेंशन निधि हेतु तदर्थ आधार पर कटौती का अंश (1%)	(धनराशि ₹ हजार में) तदर्थ आधार पर तृतीय त्रैमास हेतु धनराशि का अंतरण
1	2	3	4	5	6
<b>नगर निगम</b>					
1-	देहरादून	देहरादून	88317	883	87434
		<b>योग</b>	<b>88317</b>	<b>883</b>	<b>87434</b>
2-	हरिद्वार	हरिद्वार	42184	422	41762
3-		रूड़की	33180	332	32848
		<b>योग</b>	<b>75364</b>	<b>754</b>	<b>74610</b>
4-	नैनीताल	हल्द्वानी	28247	282	27965
		<b>योग</b>	<b>28247</b>	<b>282</b>	<b>27965</b>
5-	ऊधमसिंह नगर	काशीपुर	28803	288	28515
6-		रूद्रपुर	30267	303	29964
		<b>योग</b>	<b>59070</b>	<b>591</b>	<b>58479</b>
<b>महायोग</b>			<b>250998</b>	<b>2510</b>	<b>248488</b>

(रु० चौबीस करोड़ चौरासी लाख अठ्ठासी हजार मात्र)

(श्रीधर बाबू अददांकी)  
अपर सचिव, वित्त।



# विभागाध्यक्ष का नाम - Secretary Finance

बजट आवंटन वित्तीय वर्ष - 2015-2016

अनुदान शंख्या

007 (वित्त, कर, नियोजन, सचिवालय तथा अन्य सेवाएँ)

लेखाशीर्षक -

3604 - स्थानीय निकायों तथा पंचायती राज संस्थाओं को क्षतिपूर्ति तथा समनुदेशन

01 - नगरीय स्थानीय निकाय

191 - नगर निगम

03 - राज्य वित्त आयोग द्वारा संस्तुत करें से समनुदेशन

00 - राज्य वित्त आयोग द्वारा संस्तुत करें से समनुदेशन

## NonPlan Voted

S.No	Treasury	DDO Name	Allotment Id	Allotment Date	Previous Allotment	Current Allotment	Name of local bodies
1	0100-Dehradun	4183-District Magistrate (For Grants)Dehradun	H1510070294	07-OCT-2015	179888000	87434000	निदेशाद, शहरी विमुक्त
2	0100-Dehradun	4183-District Magistrate (For Grants)Dehradun	H1510070300	07-OCT-2015	179888000	2510000	ग्राम निदेशाद-देह-शहरी
3	3600-Nainital	4183-District Magistrate (For Grants)Nainital	H1510070296	07-OCT-2015	55930000	27965000	
4	6500-Hardwar	4183-District Magistrate (For Grants)Hardwar	H1510070297	07-OCT-2015	149220000	74610000	
5	7500-U S Nagar	4183-District Magistrate (For Grants)U S Nagar	H1510070299	07-OCT-2015	116958000	58479000	
Total :						681884000	250998000